

सुगाना अ.क्रि. (तत्.) दुखी होना, दुखी होकर नाराज होना, बिगड़ना 2. शक या संदेह करना।

सुगाल पुं. (तद्.) सुकाल, सुख समृद्धि का समय।

सुगाली स्त्री. (तत्.) 1. सुंदर शरीर वाली स्त्री, सुदर्शना 2. संगीत में कर्नाटकी पद्धति की एक रागिनी।

सुगीत/सुगीतिका पुं. (तत्.) आर्या छंद का एक भेद।

सुगुरा वि. (तद्.) जिसने अच्छे गुरु से मंत्र, दीक्षा या शिक्षा ली हो।

सुगृह पुं. (तत्.) 1. सुंदर गृह, शुभ गृह 2. बया पक्षी।

सुगृही वि. (तत्.) 1. अच्छे या सुंदर गृह का स्वामी 2. सुंदर और सुयोग्य पत्नी का पति 3. प्रतुद जाति का एक पक्षी।

सुगेष्णा वि. (तत्.) 1. सुगायिका, सुंदर रूप से गाने वाली 2. स्त्री. किन्नरी।

सुगैया स्त्री. (देश.) अंगिया, चोली।

सुगौतम पुं. (तत्.) गौतम बुद्ध।

सुगौया स्त्री. (तत्.) अंगिया, चोली।

सुग्गा पुं. (तद्.) तोता।

सुग्गा साँय पुं. (देश.) एक प्रकार का साँप।

सुग्गी स्त्री. (देश.) मादा तोता, तोती।

सुग्जिहव पुं. (तत्.) अग्नि।

सुग्रह पुं. (तत्.) अच्छे या शुभ ग्रह, फलित ज्योतिष में चंद्र, गुरु, शुक्र को शुभ ग्रह माना गया है।

सुग्रीव वि. (तत्.) 1. सुंदर ग्रीवा या गर्दन वाला 2. विष्णु या कृष्ण के रथ के चार घोड़ों में से एक 3. वानर राज बालि का छोटा भाई और श्रीरामचंद्र का सहायक 4. वर्तमान अवसर्पिणी के नवें अर्हत के पिता का नाम 5. इंद्र 6. शिव 7. एक प्राचीन अस्त्र 8. शंख 9. राजहंस 10. एक प्राचीन पर्वत 11. वास्तुकला में एक प्रकार की मंडप रचना 12. नायक, सरदार।

सुग्रीवी स्त्री. (तत्.) दक्ष की एक कन्या और कश्यप की पत्नी जो घोड़ों, ऊँटों तथा गधों की जननी कही गई है।

सुघट वि. (तद्.) 1. जिसका सुंदर गठन या बनावट हो, सुडौल 2. जो अच्छी तरह और सहज में बन सकता हो।

सुघट्य वि. (तत्.) जिसे दबाकर या मोड़कर कोई भी रूप दिया जा सके जैसे- प्लास्टिक, सुघट्य मिट्टी।

सुघट्यता स्त्री. (तत्.) सुघट्य होने की अवस्था, गुण या भाव।

सुघड़/सुधर वि. (तद्.) 1. अच्छी तरह से गढ़ा हुआ, सुडौल, सुंदर 2. जो हर कार्य कुशलता या सफाई से करता हो, कुशल, निपुण।

सुघड़भलाई स्त्री. (तद्.) 1. कौशल या चतुराई से भरी हुई चापलूसी बातें 2. स्वार्थ के कारण मीठी बातें करने का गुण या भाव।

सुघड़ाई/सुघड़ता/सुघड़पन स्त्री. (तद्.) सुघड़ होने की अवस्था, गुण या भाव।

सुघड़ी स्त्री. (तद्.) शुभ घड़ी, शुभ मुहूर्त।

सुधरता/सुधरपन स्त्री. (तद्.) सुघड़ता, सुघड़पन।

सुधरी स्त्री. (तद्.) सुघड़ी, शुभ काल या मुहूर्त।

सुघाटित वि. (तद्.) 1. गठन या बनावट की दृष्टि से जो सुडौल और सुंदर हो 2. गठीला, गठे शरीर वाला 3. संघटित।

सुघोष वि. (तत्.) 1. मधुर एवं उच्च घोष करने वाला सुंदर स्वर वाला 2. पांडु पुत्र नकुल के शंख का नाम।

सुघोषक पुं. (तत्.) एक प्रकार का प्राचीन बाजा।

सुचंग वि. (तद्.) 1. अच्छा, बढ़िया, सुंदर 2. पुं. (डि.) घोड़ा, अश्व।

सुचंद पुं. (तत्.) पूर्णिमा का चंद्रमा।